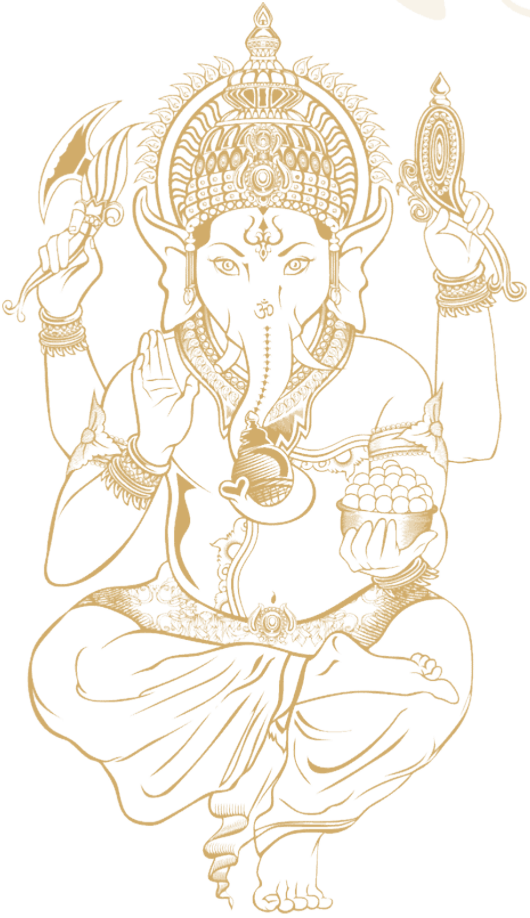

Mr. Gochar bala ji

16 Mar 2026

12:40 PM

Bharatpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121605503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/03/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:40:00 घंटे**
इष्ट	15:27:35 घटी
स्थान	**Bharatpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:13:00 उत्तर
रेखांश	77:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:19:56 घंटे
वेलान्तर	-00:08:40 घंटे
साम्पातिक काल	23:55:30 घंटे
सूर्योदय	06:28:57 घंटे
सूर्यास्त	18:28:57 घंटे
दिनमान	12:00:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	01:28:46 मीन
लग्न के अंश	16:20:50 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्ध
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गी-गीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:20:50	318:37:54	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मीन	01:28:46	00:59:47	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मक	26:58:13	13:00:53	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	16:34:09	00:47:13	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध	व		कुंभ	15:18:54	00:28:10	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	20:54:20	00:01:00	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	18:00:42	01:14:24	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:21:56	00:07:27	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:44:50	00:00:59	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:44:50	00:00:59	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:55:47	00:02:00	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:23:06	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:41:15	00:01:20	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	04:33:08	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

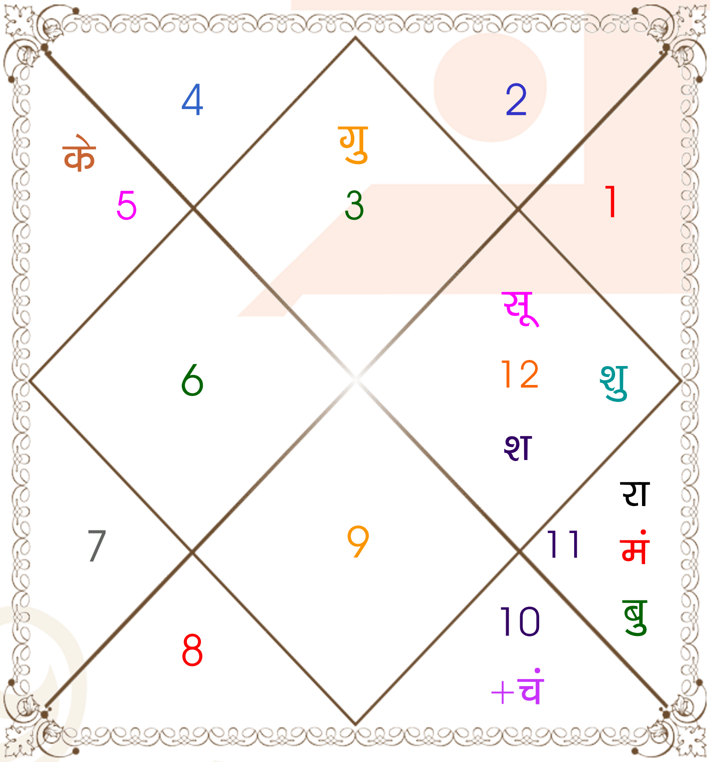

चन्द्र कुंडली

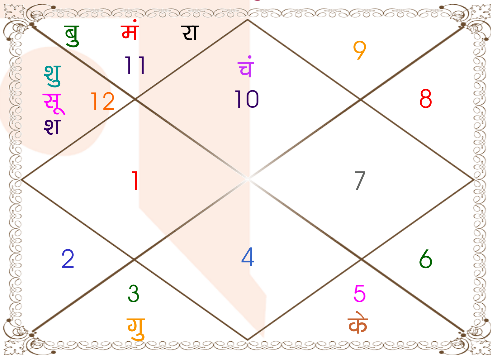

नवमांश कुंडली

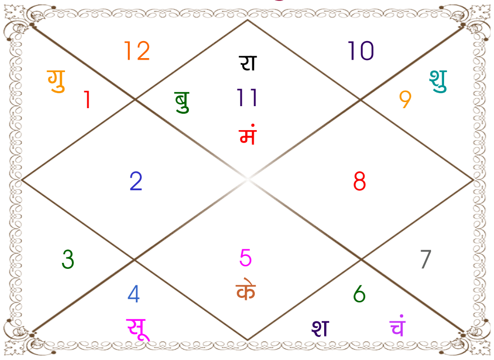

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 1 मास 2 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/03/2026		18/04/2031		18/04/2049		18/04/2065		18/04/2084	
18/04/2031		18/04/2049		18/04/2065		18/04/2084		19/04/2101	
	00/00/0000	राहु	30/12/2033	गुरु	06/06/2051	शनि	21/04/2068	बुध	14/09/2086
	16/03/2026	गुरु	24/05/2036	शनि	17/12/2053	बुध	30/12/2070	केतु	11/09/2087
गुरु	08/09/2026	शनि	31/03/2039	बुध	24/03/2056	केतु	08/02/2072	शुक्र	12/07/2090
शनि	18/10/2027	बुध	18/10/2041	केतु	28/02/2057	शुक्र	09/04/2075	सूर्य	19/05/2091
बुध	14/10/2028	केतु	05/11/2042	शुक्र	30/10/2059	सूर्य	21/03/2076	चंद्र	17/10/2092
केतु	12/03/2029	शुक्र	05/11/2045	सूर्य	17/08/2060	चंद्र	21/10/2077	मंगल	14/10/2093
शुक्र	12/05/2030	सूर्य	29/09/2046	चंद्र	17/12/2061	मंगल	29/11/2078	राहु	03/05/2096
सूर्य	17/09/2030	चंद्र	30/03/2048	मंगल	23/11/2062	राहु	05/10/2081	गुरु	09/08/2098
चंद्र	18/04/2031	मंगल	18/04/2049	राहु	18/04/2065	गुरु	18/04/2084	शनि	19/04/2101

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/04/2101		19/04/2108		19/04/2128		19/04/2134		19/04/2144	
19/04/2108		19/04/2128		19/04/2134		19/04/2144		00/00/0000	
केतु	15/09/2101	शुक्र	19/08/2111	सूर्य	06/08/2128	चंद्र	18/02/2135	मंगल	15/09/2144
शुक्र	15/11/2102	सूर्य	18/08/2112	चंद्र	05/02/2129	मंगल	19/09/2135	राहु	03/10/2145
सूर्य	23/03/2103	चंद्र	19/04/2114	मंगल	13/06/2129	राहु	19/03/2137	गुरु	17/03/2146
चंद्र	22/10/2103	मंगल	19/06/2115	राहु	07/05/2130	गुरु	19/07/2138		00/00/0000
मंगल	19/03/2104	राहु	19/06/2118	गुरु	24/02/2131	शनि	18/02/2140		00/00/0000
राहु	07/04/2105	गुरु	17/02/2121	शनि	06/02/2132	बुध	19/07/2141		00/00/0000
गुरु	14/03/2106	शनि	19/04/2124	बुध	12/12/2132	केतु	17/02/2142		00/00/0000
शनि	22/04/2107	बुध	18/02/2127	केतु	19/04/2133	शुक्र	19/10/2143		00/00/0000
बुध	19/04/2108	केतु	19/04/2128	शुक्र	19/04/2134	सूर्य	19/04/2144		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 0 मा 26 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रुपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।